Title: Need to provide compensation to the victims of fire incident in Sant Kabir Nagar Parliamentary Constituency in Uttar Pradesh.

श्री भीष्म शंकर उर्फ कुशल तिवारी (संत कबीर नगर): महोदया, उत्तर प्रदेश का एक हिस्सा पूर्वांचल है, जहां पर इस समय दैवीय आपदा से हजारों एकड़ फसल का प्रतिदिन, अप्रैल के महीने में नुकसान हुआ है। वहां हवा चली है। कई गावों की फसलें तो साफ हो ही गयी हैं, आवास तक जल गये हैं। सेंट्रल रिलीफ फंड योजना से केंद्र सरकार आवास और फसल नुकसान के लिए पैसा देती है। सारे जनपदों से रिपोर्ट बनकर आ चुकी है, लेकिन अभी तक कोई सहायता नहीं दी गयी है। इस आग लगने का प्रमुख कारण राजीव गांधी विद्युतीकरण योजना है। यह जो योजना उत्तर प्रदेश में लागू हुई है, इसके तार वहां ठीक से नहीं लगाये गये हैं। जब हवा चलती है तो तार एक-दूसरे से सटते हैं, चिंगारी भड़क उठती है और पूरा का पूरा इलाका आग से खत्म हो जाता है । दस-दस किलोमीटर का इलाका पूरा साफ हो जाता है। दैवीय आपदा में जो इंदिरा आवास की सीमा का प्रावधान है, वह केवल पचास लाख रूपये का है। महोदया, मैं आपके जरिये सरकार से यह निवेदन करना चाहता हूं कि दैवीय आपदा से नुकसान होने पर इंदिरा आवास के लिए जो पचास लाख रूपया दिया जाता है, इसे बढ़ाया जाए

पूर्वांचल के लोग बाढ़ की मार अलग झेलते हैं और यहाँ इतना भीषण अग्निकांड भी होता है कि दस-दस किलोमीटर तक पूरा इलाका साफ हो जाता है। पूरी की पूरी फसलें क्षतिग्रस्त हो जाती हैं। वहाँ पर छोटे-छोटे काश्तकार हैं। कई जगहों पर तो ऐसा हो जाता है कि उन लोगों ने अपनी लड़कियों की शादी तय की होती है और उनको शादियाँ टालनी पड़ती हैं क्योंकि उनको कोई सहायता नहीं मिल पाती। हम सरकार से आपके माध्यम से विनती करना चाहेंगे कि ऐसे इलाकों में विशेष रूप से त्वरित आर्थिक सहायता दी जाए और जिनके आवास जल गए हैं, उनके आवास की व्यवस्था ज़रूर करवाई जाए और फसलों की क्षतिपूर्ति भी देने का प्रावधान किया जाये ।।